प्राकृतिक पूंजी भाग II:

परिचालन संवहनीयता को बढ़ावा देना

हमारे पर्यावरणीय प्रभाव का समाधान करते हुए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया डीकार्बोनाइजेशन, ऊर्जा बाजार में अस्थिरता और संभावित कार्बन मूल्य निर्धारण परिदृश्यों के प्रति हमारे एक्सपोजर और जोखिम को कम करके भविष्य के परिवर्तनों के लिए बेहतर तरीके से तैयार है. पिछले कुछ वर्षों में हमारे पर्यावरण और कार्बन पदचिह्न को कम करना हमारे संवहनीय कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक रहा है.

वित्तीय वर्ष 2024 में, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने पर्यावरण प्रयासों को प्राथमिकता देने के लिए महत्वपूर्ण संवहनीय लक्ष्य निर्धारित किए हैं. इन लक्ष्यों में ऊर्जा उपयोग और स्थान-आधारित जीएचजी उत्सर्जन को कम करना, पानी की खपत को कम करना, गड्ढों की भराई में भेजे जाने वाले कचरे को कम करना और नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद को बढ़ाना शामिल है. हम आने वाले वर्षों में कचरे को कम करने और पानी के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. हम अपनी सामग्रियों को लगातार कम करने और अपने पुनर्चक्रण प्रयासों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

प्राकृतिक पूंजी – भाग I:

2.2 मेगावाट

छत पर सौर पैनल: स्थापित क्षमता से महत्वपूर्ण वार्षिक ऊर्जा बचत होती है.

प्राकृतिक नुकसान की वैश्विक गति को पहचानते हुए, यूबीआई समाज, कारोबार और वित्त के लिए महत्वपूर्ण प्राकृतिक आस्तियों के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक ने वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग, कार्य-कुशल विद्युत उपकरण, वायु उत्सर्जन नियंत्रण, अपशिष्ट पृथक्करण और उचित निपटान सहित विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल उपायों को लागू किया है. इसके अतिरिक्त, यूबीआई अपने परिचालन में जैव विविधता संरक्षण को एकीकृत करता है और जैव विविधता और प्रकृति पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए स्थायी प्रथाओं को अपनाता है. ये पहल पर्यावरण संरक्षण और संवहनीय विकास के प्रति यूबीआई के समर्पण को दर्शाती हैं.

विशिष्ट पहल और उनके प्रभाव:

नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण:

पहल	विवरण	प्रभाव
छत पर सौर पैनल	प्रमुख शाखाओं और कार्यालयों की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना.	जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी, CO_2 उत्सर्जन और बिजली की लागत में कमी.
ऊर्जा दक्षता उपाय: एलईडी प्रकाश व्यवस्था	पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को ऊर्जा- कार्य-कुशल एल.ई.डी. से प्रतिस्थापित करना.	बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता, कम ऊर्जा खपत, और परिचालन लागत.
ऊर्जा दक्षता उपाय: एचवीएसी उन्नयन	हीटिंग और कूलिंग प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने के लिए उच्च दक्षता वाली एचवीएसी प्रणालियों को कार्यान्वित करना.	बेहतर ऊर्जा दक्षता, कम ऊर्जा उपयोग, और परिचालन लागत.

जीआरआई

302 - ऊर्जा & 305 - उत्सर्सन

जल संरक्षण प्रयास:

पहल	विवरण	प्रभाव
वर्षा जल संचयन प्रणालियाँ	प्रमुख बैंक परिसरों में वर्षा जल को संग्रहित करने तथा गैर-पेय प्रयोजनों के लिए उपयोग करने हेतु प्रणालियां स्थापित करना.	संवहनीय जल प्रबंधन को बढ़ावा देता है और नगरपालिका के जल पर निर्भरता कम करता है.
जल-कार्य-कुशल फिक्स्चर	सभी शाखाओं में कम प्रवाह वाले नल, दोहरे फ्लश वाले शौचालय और अन्य जल-कार्य-कुशल उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं.	जल के उपयोग को कम करता है और कार्य-कुशल जल प्रबंधन आदतों को बढ़ावा देता है.

अपशिष्ट न्यूनीकरण पहल:

पहल	विवरण	प्रभाव
पुनर्चक्रण कार्यक्रम	कागज, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक कचरे के लिए व्यापक पुनर्चक्रण कार्यक्रम लागू करना.	गड्ढों की भराई में भेजे जाने वाले कचरे को कम करता है तथा पुनर्चक्रण को बढ़ावा देता है.
अपशिष्ट पृथक्करण	उचित निपटान और पुनर्चक्रण के लिए सभी शाखाओं में अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियां स्थापित करना.	इससे पुनर्चक्रण दक्षता में सुधार होता है और दूषण कम होता है.

"

फिनटेक नवाचारों एवं डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से, यूबीआई अपने पर्यावरणीय फूटप्रिंट को कम करता है और प्राकृतिक पूंजी को बढ़ाता है, जिससे संवहनीय बैंकिंग में बेंचमार्क स्थापित होते हैं.

इन संवहनीयता पहलों को अपनाकर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लक्ष्य न केवल अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करना है, बल्कि बैंकिंग क्षेत्र में परिचालन संवहनीयता के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करना भी है. ये प्रयास वैश्विक संवहनीयता लक्ष्यों में योगदान करते हुए अपने हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं.

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का विवरण

स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन और तीव्रता

मापदंड	इकाई	वित्तीय वर्ष 23-24	वित्तीय वर्ष 22-23	वित्तीय वर्ष 21-22
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (GHG का CO2, CH4, N2O, HFC, PFCs, SF6, NF3 में विभाजन, यदि उपलब्ध हो)	मेट्रिक टन CO2 समतुल्य	272,216	274,042	283,485
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (GHG का CO2, CH4, N2O, HFC, PFCs, SF6, NF3 में विभाजन, यदि उपलब्ध हो)	मेट्रिक टन CO2 समतुल्य	180,387	241,884	193,187
प्रति करोड़ टर्नओवर पर कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन	मेट्रिक टन / करोड़	3.9	6.39	7.02
कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक) – इकाई प्रासंगिक मेट्रिक का चयन कर सकती है	मेट्रिक टन / एफटीई	5.96	4.16	6.27

स्कोप 1 उत्सर्जन की गणना प्रति वर्ग फुट क्षेत्र में कुल एयर कंडीशनिंग टन भार, 5% की रिसाव दर और बैंक के स्वामित्व वाली कारों और डीजी सेटों में खपत डीजल के आधार पर की जाती है.

स्कोप 2 उत्सर्जन की गणना उपयोगिता से खपत की गई बिजली के आधार पर की जाती है.

कुल ऊर्जा खपत और ऊर्जा तीव्रता का विवरण

मापदंड	इकाई	वित्तीय वर्ष 23-24	वित्तीय वर्ष 22-23	वित्तीय वर्ष 21-22
कुल बिजली खपत (ए)	जीजे में	7,05,864	769,900	755,951
कुल ईंधन खपत (बी)	जीजे में	1,03,775	110,348	102,140
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा खपत (सी)	जीजे में	9,855	12,339	14,515
कुल ऊर्जा खपत (ए+बी+सी)	जीजे में	8,19,494	892,587	872,606
प्रति करोड़ टर्नओवर पर ऊर्जा तीव्रता	मेट्रिक टन / करोड़	7.07	11.05	12.84
ऊर्जा तीव्रता (वैकल्पिक) – प्रासंगिक मेट्रिक का चयन इकाई द्वारा किया जा सकता है (प्रति पूर्णकालिक कर्मचारी एफटीई)	मेट्रिक टन / एफटीई	10.80	11.81	11.48

खरीदी गई बिजली की खपत की गणना विभिन्न राज्यों की औसत दरों के आधार पर की जाती है.

डीजल की खपत लीटर में औसत दर और खर्च की गई राशि के आंकड़ों के आधार पर की जाती है.

जीआरआई

305-1: प्रत्यक्ष (स्कोप 1) जी.एच.जी. उत्सर्जन; 305-2: ऊर्जा अप्रत्यक्ष (स्कोप 2) जी.एच. जी. उत्सर्जन; और 305-4: जी.एच.जी. उत्सर्जन तीव्रता.

"नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाकर तथा ऊर्जा दक्षता को बढ़ाकर, यूबीआई अपने कार्बन फुटप्रिंट को महत्वपूर्ण रूप से कम कर रहा है, तथा परिचालन संवहनीयता में नए मानक स्थापित कर रहा है.

नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया व्यापक अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है. अपने परिचालनों की ऊर्जा तीव्रता को कम करके, हम पर्यावरणीय संवहनीयता का समर्थन करते हैं और अपने संगठन को भविष्य के परिवर्तनों के लिए तैयार कर रहे हैं और ऊर्जा बाजार की अस्थिरता और संभावित कार्बन मूल्य निर्धारण परिदृश्यों से जुड़े जोखिमों को कम कर रहे हैं.

जीआरआई

302 - ऊर्जा & 305 - उत्सर्सन

"

परिचालन संवहनीयता के लिए प्रतिबद्धता में ऊर्जा उपयोग को कम करने, पानी की खपत को कम करने एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के महत्वकांक्षी लक्ष्य शामिल हैं.

नवीकरणीय ऊर्जा में प्रमुख उपलब्धियां

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा पहलों और ऊर्जा संरक्षण उपायों के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति की है. दिनांक 31 मार्च, 2024 तक, बैंक के विस्तृत शाखा नेटवर्क में सिडनी और दुबई डीआईएफसी में दो विदेशी शाखाओं सहित 8,466 शाखाएँ शामिल हैं, जिन्होंने विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को एकीकृत किया है. विशेषतः इनमें से 58 प्रतिशत शाखाएँ कार्यनीतिक रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, जो विविध समुदायों के लिए वित्तीय समावेशन और पहुँच सुनिश्चित करती हैं.

पहल	विवरण	वित्तीय वर्ष 2024 की उपलब्धि
छत पर सौर पैनल	ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रमुख शाखाओं और कार्यालयों की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना.	2 मेगावाट क्षमता स्थापित की गई, जिससे प्रतिवर्ष 3,427,597 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे 3,153 मेट्रिक टन CO_2 उत्सर्जन में बचत हुई.
सौर ऊर्जा संयंत्र	प्रमुख सुविधाओं पर ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना.	विजयवाड़ा में 60 किलोवाट पावर प्लांट और मुंबई में 12 किलोवाट पावर प्लांट की स्थापना पूरी हो गई है, जिससे क्रमशः 70.52 और 14.1 मेट्रिक टन सीओ2 उत्सर्जन में कमी आएगी. इसके अलावा, मैंगलोर में 430 किलोवाट पावर प्लांट से 690 मेट्रिक टन CO_2 उत्सर्जन में कमी आएगी.

पहल	विवरण	वित्तीय वर्ष 2024 की उपलब्धि
इनडोर सजावटी पौधे	वायु शुद्धिकरण के लिए कार्यालय परिसर में इनडोर सजावटी पौधे उपलब्ध कराना.	वायु शुद्धिकरण के माध्यम से पर्यावरण सुधार में योगदान दिया.

कार्यनीतिक लक्ष्य

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2025 के लिए लक्षित पहलों के साथ संवहनीयता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना है. इन लक्ष्यों में शामिल हैं:

सौर ऊर्जा उपयोग का विस्तार:

- नवीकरणीय स्रोतों के माध्यम से कम से कम 50% ऊर्जा आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए सभी शाखाओं में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना.
- अधिक शाखाओं को कवर करने के लिए अतिरिक्त सौर ऊर्जा इंस्टालेशन की योजना बनाना, जिससे जीएचजी उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा.

वर्धित ऊर्जा दक्षता:

- ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए सभी शाखाओं में प्रकाश व्यवस्था और एचवीएसी प्रणालियों को उन्नत करना जारी रखना.
- ऊर्जा तीव्रता में और अधिक कमी लाने के लिए ऊर्जा खपत की निगरानी और अनुकूलन करना.

व्यापक जल संरक्षण:

- जल संरक्षण उपायों को अतिरिक्त शाखाओं तक विस्तारित करना, जिसमें वर्षा जल संचयन प्रणालियां और जल-कुशल उपकरण शामिल हों.
- जल के उपयोग में पर्याप्त कमी लाने का लक्ष्य रखना, तथा व्यापक पर्यावरणीय लक्ष्यों का समर्थन करना.

गैर-प्रदूषणकारी वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अपने कर्मचारियों के बीच गैर-प्रदूषणकारी वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय संवहनीयता को जारी रखा है. वित्तीय वर्ष 2022 में शुरू की गई पहलों पर आगे बढ़ते हुए, बैंक ने सीएनजी, इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के उपयोग का समर्थन करके कार्बन उत्सर्जन को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने गैर-प्रदूषणकारी वाहनों में बदलाव को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए एक मजबूत प्रतिपूर्ति कार्यक्रम लागू किया है. यह कार्यक्रम पर्यावरण के अनुकूल वाहनों का उपयोग करने वाले कर्मचारियों के लिए परिवहन व्यय को कवर करता है, जिससे उनकी चलने की लागत की भरपाई होती है और उन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प बनाया जाता है.

इस पहल को कर्मचारियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे बैंक के परिचालन के समग्र कार्बन पदचिह्न में कमी आई है. गैर-प्रदूषणकारी वाहनों को अपनाने की सुविधा प्रदान करके, बैंक अपने संवहनीयता लक्ष्यों का समर्थन करता है जो व्यापक पर्यावरणीय उद्देश्यों के साथ संरेखित होता है. भविष्य को देखते हुए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का लक्ष्य इस कार्यक्रम का और विस्तार करना है, ताकि ज्यादा कर्मचारियों को गैर-प्रदूषणकारी वाहनों पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके. बैंक परिवर्तनात्मक और प्रभावशाली पहलों के माध्यम से अपने संवहनीयता प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है.

जीआरआई

302 - ऊर्जा & 305 - उत्सर्सन

"

व्यापक अपशिष्ट न्यूनीकरण तथा पुनर्चक्रण कार्यक्रमों के माध्यम से, यूबीआई एक संवहनीय परिचालन मॉडल बनाने में उदाहरण प्रस्तुत करता है जो पर्यावरण एवं हमारे समुदायों को लाभ पहुंचाता है.

जीआरआई

306: अपशिष्ट;
301: सामग्री और
308: आपूर्तिकर्ता पर्यावरण मूल्यांकन

अपशिष्ट को कम करना और आपूर्ति श्रृंखला संवहनीयता को बढ़ाना

हमारी खरीद टीमों को निर्देश दिया गया है कि वे लंबे समय तक संवहनीय स्रोत वाले कागज़ की कवरेज को काफ़ी हद तक बढ़ाएँ. वित्तीय वर्ष 2022 से शुरू होकर, हमने एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने के अवसरों की खोज की. जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हमारा ध्यान अपने अपशिष्ट प्रबंधन दृष्टिकोण और सामग्री के उपयोग को सर्कुलर अर्थव्यवस्था सिद्धांतों के साथ संरेखित करने की ओर जाएगा. यह कार्यनीतिक बदलाव हमारे द्वारा उत्पादित अपशिष्ट की मात्रा को कम करने और हमारी इमारतों में सामग्रियों के उपयोग को अधिकतम करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है.

अपशिष्ट प्रबंधन विवरण

(मैट्रिक टन में)

अपशिष्ट का प्रकार	वित्तीय वर्ष 2023–24	वित्तीय वर्ष 2022–23
प्लास्टिक अपशिष्ट	-	-
ई – अपशिष्ट	1.11	2.77
बैटरी अपशिष्ट	-	-
अन्य अपशिष्ट	-	-

अपशिष्ट पुनर्प्राप्ति प्रयास (मेट्रिक टन)

अपशिष्ट की श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2023–24 (पूर्वानुमानित)	वित्तीय वर्ष 2022–23 (वर्तमान)
पुनर्चक्रित बैटरी	-	-

मूल्यांकन नोट्स:
बैटरी अपशिष्ट वजन की गणना 85 रुपये प्रति किलोग्राम के विक्रय मूल्य के आधार पर की जाती है.
ई- अपशिष्ट का वजन का निर्धारण 50 रुपये प्रति किलोग्राम के विक्रय मूल्य के आधार पर किया जाता है.
पुनर्चक्रण मेट्रिकस विशेष रूप से बैटरी अपशिष्ट से संबंधित हैं.
प्लास्टिक अपशिष्ट प्रति व्यक्ति उत्पादन के आंकड़े केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार निकाले गए हैं.

भविष्य के अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कार्यनीतिक लक्ष्य

हमारी कार्यनीतिक दिशा के अनुरूप, हमारा लक्ष्य हमारी सभी शाखाओं में गड्ढों की भराई और भस्मीकरण से सभी कचरे को हटाना है. हम अपनी सुविधाओं के भीतर कचरे के पुनः उपयोग, पुनः प्रयोजन या पुनर्चक्रण की 100% दर हासिल करने की योजना बना रहे हैं. यह उद्देश्य हमारी शून्य अपशिष्ट कार्यनीति के कार्यान्वयन के माध्यम से पूरा किया जाएगा, जिसे वित्तीय वर्ष 2024 में शुरू करने की योजना है.

इसके अलावा, हम अपनी खरीद टीमों को अपने आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए जोड़ रहे हैं. इन प्रयासों का उद्देश्य हमारे कार्यालयों में वितरित पैकेजिंग की मात्रा को कम करना है. हम अपने आपूर्तिकर्ताओं को हमारे शून्य अपशिष्ट आपूर्ति श्रृंखला चार्टर में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो पारगमन पैकेजिंग को खत्म करने, पुनः प्रयोज्य कंटेनरों में माल की आपूर्ति करने और बाद की डिलीवरी में पैकेजिंग कचरे को वापस लाने के अवसरों की खोज करने का समर्थन करता है.

> "
>
> यूबीआई आपूर्ति शृंखला प्रथाओं को बढ़ाने, अपशिष्ट को कम करने एवं पलास्टिक से बचने के द्वारा संवहनीयता के प्रति प्रतिबद्ध है, जो पर्यावरण संरक्षण एवं परिचालन दक्षता के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है.

कागज़ का उपयोग कम करना

हमारे बैंक में, हमने विभिन्न वित्तीय सेवाओं जैसे कि थोक संग्रह, भुगतान, एमआईएस और चैनल वित्त में कागज़-आधारित सेवाओं से डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर अपना परिवर्तन जारी रखा है. इस परिवर्तन ने हमारे कागज़ के उपयोग को काफी हद तक कम कर दिया है. पिछले वर्षों में बैंक द्वारा किए गए डिजिटल लेन-देन की मात्रा नीचे दी गई है:

वर्ष	लेन-देन की संख्या	राशि (करोड़ में)
वित्तीय वर्ष 2023	15,95,01,642	8,93,524.67
वित्तीय वर्ष 2024	16,54,45,023	10,45,876.77

प्लास्टिक से बचने के लिए यूबीआई की प्रतिबद्धता

"प्लेनेट वर्सेज प्लास्टिक" 2025 की आकांक्षाओं और दृष्टिकोण के अनुरूप, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) पर्यावरणीय संवहनीयता के प्रति अपनी व्यापक प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में प्लास्टिक कचरे को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए समर्पित है. यह पहल विश्व पृथ्वी दिवस के दौरान उजागर की गई कार्रवाई के लिए तत्काल आह्वान के जवाब में यूबीआई के सक्रिय रुख को दर्शाती है.

"प्लेनेट वर्सेज प्लास्टिक" EARTHDAY.ORG द्वारा संचालित एक वैश्विक पहल है, जो वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन में 60% की कमी और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने का आह्वान करती है. अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तियों, कारोबारों और सरकारों को एकजुट करना है और प्लास्टिक से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों और पर्यावरणीय क्षति पर जोर देना है.

अपने परिचालनों में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को कम करने के प्रयासों को बढ़ावा देकर, यूबीआई का लक्ष्य हरित भविष्य को बढ़ावा देने में उदाहरण पेश करना है. बैंक की व्यापक प्लास्टिक परिहार कार्यनीति में अपनी सुविधाओं से प्लास्टिक को खत्म करना, पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देना और हितधारकों को संवहनीयता आदतों में शामिल करना है. इन उपायों के माध्यम से, यूबीआई प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में योगदान देता है और हमारे ग्रह की रक्षा के वैश्विक प्रयासों के साथ जुड़ता है, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित होता है.

परिचालन कार्य-कुशलता के लिए हमारे डिजिटल नेटवर्क को बढ़ाना

बैंक ने डिजिटल परिवर्तन की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए एक समर्पित डिजिटाईजेशन वर्टिकल बना रखा है, जिसमें डिजिटल यात्राएँ, डिजिटल बैंकिंग विभाग और डिजिटल इंटरैक्शन और भागीदारी शामिल हैं. इस वर्टिकल ने कई डिजिटल पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे हमारे परिचालन और ग्राहक सेवा की दक्षता में वृद्धि हुई है, साथ ही कागज़-आधारित प्रसंस्करण पर निर्भरता को कम करके हमारे पर्यावरणीय उद्देश्यों का समर्थन किया है:

प्राकृतिक पूंजी – भाग II:

"

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया प्राकृतिक पूंजी को बढ़ाने, संवहनीय प्रथाओं को प्रोत्साहित करने एवं उन्नत डिजिटल समाधानों के माध्यम से परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए फिनटेक नवाचारों का लाभ उठाता है.

जीआरआई

301: सामग्री; 302: ऊर्जा; 305: उत्सर्जन; 306: अपशिष्ट; और 307: पर्यावरणीय अनुपालन

डिजिटल पहल और उपलब्धियां

डिजिटल पहल	विवरण	परिणाम वित्तीय वर्ष 2024
डिजिटल बचत खाता	वीडियो-केवाईसी और आधार सत्यापन के साथ ऑनलाइन खाता खोलना: वीडियो-केवाईसी और ऑनलाइन आधार एवं पैन सत्यापन की सुविधा के साथ नेक्सट जेनरेशन डिजिटल बचत खाता खोलने की प्रक्रिया शुरू की गई.	3012 खाते डिजिटल रूप से खोले गए
डिजिटल यूनियन किसान तत्काल	केसीसी उधारकर्ताओं के लिए आपातकालीन कृषि ऋण: मौजूदा केसीसी उधारकर्ताओं को आपातकालीन कृषि ऋण प्रदान करना, जिसमें पूर्णतः स्वचालित निर्णय प्रक्रिया और मिनटों में डिजिटल मंजूरी शामिल है.	1573 आवेदन, ₹6.49 करोड़ मंजूर
डिजिटल पीएमस्वनिधि	स्ट्रीट वेंडर्स के लिए ऋण: इसका उद्देश्य डिजिटल रूप से ऋण आवेदनों को मंजूरी देकर स्ट्रीट वेंडर्स की सहायता करना है.	8400 आवेदन, ₹9.29 करोड़ मंजूर

डिजिटल चैनलों के माध्यम से प्रगति

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया परिचालन दक्षता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए डिजिटल परिवर्तन को अपनाने में सबसे आगे रहा है. डिजिटल चैनलों का एकीकरण बैंक के कागज़ के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक पूंजी में सकारात्मक योगदान देने में सहायक रहा है.

चैनल	31.03.2022	31.03.2023	31.03.2024	वार्षिक वृद्धि (%)
मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ता	1.65 करोड़	2.13 करोड़	2.68 करोड़	25.82%
इंटरनेट बैंकिंग उपयोगकर्ता	0.68 करोड़	0.74 करोड़	0.86 करोड़	16.21%

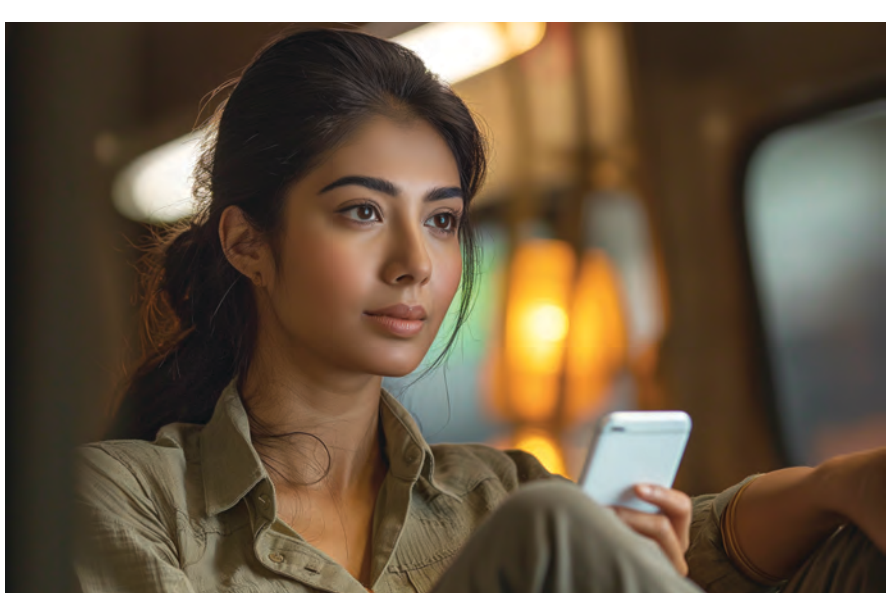

डिजिटल परिवर्तन और प्राकृतिक पूंजी पर इसका प्रभाव

डिजिटलीकरण की दिशा में बैंक की यात्रा विभिन्न डिजिटल सेवाओं के कार्यान्वयन के साथ शुरू हुई, जिससे भौतिक दस्तावेजीकरण और शाखा में लेन-देन की आवश्यकता में भारी कमी आई. यहाँ वित्तीय वर्ष 2023-24 तक डिजिटल परिवर्तन पहलों और उनके पैमाने का एक स्नैपशॉट दिया गया है:

डिजिटल लेनदेन: 649 मिलियन से अधिक मासिक यूपीआई लेनदेन दर्ज किए गए, जो ग्राहकों द्वारा डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने का प्रमाण है.

डिजिटल बचत खाते: वीडियो-केवाईसी और ऑनलाइन आधार एवं पैन सत्यापन के साथ ऑनलाइन बचत खातों की शुरूआत से बैंक को 3,012 बचत खातों को डिजिटल रूप से चालू करने में मदद मिली, और इसके लिए ग्राहकों को शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी.

डिजिटल ऋण संवितरण: डिजिटल यूनियन किसान तत्काल और डिजिटल पीएमस्वनिधि योजनाओं ने पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रियाओं के माध्यम से हजारों ऋण आवेदन जुटाए, जिससे कुल मंजूर ऋणों की राशि काफी अधिक हो गई.

प्रमुख डिजिटल चैनल और उनका योगदान

व्योम ऐप: पुनःब्रांडेड और उन्नत व्योम ऐप 400 से अधिक सुविधाएं प्रदान करता है और इसने एक ही वित्तीय वर्ष में 5.52 मिलियन नए उपयोगकर्ता लॉगिन किए है, जो उपयोगकर्ताओं के साथ इसके मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है.

इंटरनेट बैंकिंग और सीआरएम: उन्नत इंटरनेट बैंकिंग सुविधाओं और एकीकृत सीआरएम समाधान ने ग्राहक संपर्क और वित्तीय लेनदेन को सुव्यवस्थित कर दिया है, जिससे वे अधिक सुरक्षित और कुशल हो गए हैं.

सीबीडीसी कार्यान्वयन: अग्रणी बैंकों में से एक के तौर पर, यूनियन बैंक ने डिजिटल रुपी को लागू किया, जिससे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और दक्षता में वृद्धि हुई.

पर्यावरणीय प्रभाव

डिजिटल में बदलाव ने प्राकृतिक पूंजी के एक महत्वपूर्ण घटक, कागज़ पर निर्भरता को कम करके बैंक के कार्बन पदचिह्न को काफी हद तक कम कर दिया है. यह कमी वनों को संरक्षित करती है और कागज़ उत्पादन और निपटान से जुड़े अपशिष्ट और ऊर्जा की खपत को कम करती है.

कागज के उपयोग में कमी: डिजिटल विवरण और ऑनलाइन लेनदेन सुविधाओं के कारण सभी बैंक परिचालनों में कागज के उपयोग में उल्लेखनीय कमी आई है.

ऊर्जा कार्य-कुशलता: डिजिटल प्रक्रियाओं ने परिचालन को सुव्यवस्थित कर दिया है, जिससे भौतिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता कम हो गई है और परिणामस्वरूप ऊर्जा की खपत कम हुई है.

फिनटेक नवाचारों के माध्यम से प्राकृतिक पूंजी को बढ़ाना

वित्तीय वर्ष 2024 में फिनटेक के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का कार्यनीतिक एकीकरण संवहनीय बैंकिंग के लिए एक मजबूत मॉडल का उदाहरण है, जो वित्तीय सेवाओं को पर्यावरण संरक्षण के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ता है. डिजिटल परिवर्तन के प्रति अपने सक्रिय दृष्टिकोण के माध्यम से, बैंक ने प्राकृतिक पूंजी के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को और गहरा किया है, तकनीकी प्रगति को पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए फिनटेक साझेदारी का उपयोग किया है. यह एकीकरण न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ाता है और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाता है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है. जैसे-जैसे यूनियन बैंक अपने डिजिटल पदचिह्नों का विस्तार करना जारी रखता है, यह पर्यावरण के एक जिम्मेदार संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि करता है, जिससे बैंकिंग उद्योग में अधिक संवहनीय भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है.

649 मिलियन

मासिक यूपीआई लेनदेन: *डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाए जाने का प्रमाण है.*

3,012

डिजिटल बचत खाते: *वीडियो-केवाईसी और ऑनलाइन सत्यापन के साथ डिजिटल रूप से खोले गए खातों की संख्या.*

जीआरआई

301: सामग्री; 302: ऊर्जा;
305: उत्सर्जन; और
307: पर्यावरण अनुपालन

84

फिनटेक सहयोग: संवहनीय वित्तीय सेवाओं का समर्थन करने के लिए सूचीबद्ध नवीन कंपनियों की कुल संख्या.

58.18 मिलियन

फिनटेक सहयोग: संवहनीय वित्तीय सेवाओं का समर्थन करने के लिए सूचीबद्ध नवीन कंपनियों की कुल संख्या.

संवहनीयता के लिए कार्यनीतिक फिनटेक साझेदारियां

वित्तीय वर्ष 2024 के दौरान, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने फिनटेक सहयोग का विस्तार किया, जिसमें कुल 84 नवोन्मेषी कंपनियों को शामिल किया गया. यह पहल पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने और दक्षता में सुधार करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की बैंक की व्यापक कार्यनीति का हिस्सा है. ये पैनल पर्यावरणीय संवहनीयता के लिए बैंक की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं, जो हरित और कुशल समाधानों की निरंतर आमद सुनिश्चित करते हैं, और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं:

डिजिटल यात्राओं का विकास और एकीकरण: भौतिक बैंकिंग अवसंरचना की आवश्यकता को कम करना, जिससे बैंक के कार्बन पदचिह्न में कमी आएगी.

संपदा प्रबंधन और बीमा समाधान: ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म की पेशकश करना जो हरित और संवहनीय आस्तियों में निवेश का समर्थन करते हैं.

कृषि ऋण: लक्षित वित्तीय उत्पादों के माध्यम से संवहनीय कृषि आदतों के लिए समर्थन बढ़ाना.

यूआई/यूएक्स विकास और अनुकूलन: डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहक अनुभव में सुधार, कागज-आधारित प्रक्रियाओं की आवश्यकता को कम करना.

एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके विश्लेषण: बेहतर डेटा प्रबंधन और पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण के माध्यम से संसाधन उपयोग को अनुकूलित करना और अपशिष्ट को कम करना.

इंटैलिजेंट आभासी सहायक (चैटबॉट्स): 24/7 ग्राहक सेवा प्रदान करना जिससे शाखा में भौतिक रूप से जाने की आवश्यकता कम हो जाती है.

डिजिटल मार्केटिंग: कागज रहित बैंकिंग और पर्यावरण संबंधी पहलों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल चैनलों का लाभ उठाना.

नकदी प्रबंधन, व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण: हरित आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुविधाजनक बनाकर कॉर्पोरेट ग्राहकों के बीच संवहनीय प्रथाओं को अपनाने में सहायता करना.

वित्तीय वर्ष 2024 में प्राकृतिक पूंजी पर प्रभाव

यूनियन बैंक की फिनटेक पहल बैंक के प्राकृतिक पूंजी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण रही है:

कागज के उपयोग में कमी: डिजिटल चैनलों में परिवर्तन से बैंकिंग परिचालन में कागज की खपत में काफी कमी आई है, जिससे वन संरक्षण में योगदान मिला है.

ऊर्जा कार्य-कुशलता: बैंक ने डिजिटल प्रक्रियाओं को अनुकूलित करके और भौतिक बुनियादी ढांचे पर निर्भरता को कम करके अपनी ऊर्जा खपत और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम किया है.

संवहनीय प्रथाओं के लिए समर्थन: संवहनीय विकास के लिए तैयार वित्तीय उत्पादों, जैसे ग्रीन बांड और पर्यावरण अनुकूल ऋण, को फिनटेक प्लेटफार्म के माध्यम से बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया गया है.

आईटी आर्किटेक्चर और फिनटेक एकीकरण के माध्यम से प्राकृतिक पूंजी को आगे बढ़ाना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कारोबारिक प्रणालियों और क्लाउड-आधारित अनुप्रयोगों तक उच्च-कार्यनिष्पादन पहुंच प्रदान करने, नियामक मानदंडों और मजबूत सुरक्षा का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपने आईटी आर्किटेक्चर को बढ़ा रहा है. ये सुधार परिचालन उत्कृष्टता और पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि बैंक विविध, गतिशील और जटिल वातावरणों में अपने पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है.

अकाउंट एग्रीगेटर सिस्टम

बैंक अकाउंट एग्रीगेटर पारिस्थिकी में अग्रणी बना हुआ है, जो भौतिक दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता को कम करते हुए क्रेडिट वितरण में सुधार करने के लिए सरकार की डिजिटल पहल का एक प्रमुख घटक है. यह प्रणाली ग्राहक की सहमति से प्राप्त डिजिटल डेटा का उपयोग करती है, जो बैंक को

जीआरआई

301: सामग्री; 302: ऊर्जा;
305: उत्सर्जन; और
307: पर्यावरण अनुपालन

निर्बाध सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाती है जो कागज के उपयोग और संबंधित पर्यावरणीय प्रभावों को काफी कम करती है. रिज़र्व बैंक सूचना प्रौद्योगिकी (आरईबीआईटी) दिशानिर्देशों का अनुपालन उच्चतम डेटा गोपनीयता और सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करता है, जो आगे चलकर संवहनीय प्रथाओं के साथ संरेखित होता है.

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी

"इंडियन बैंक्स ब्लॉकचेन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी (आईबीबीआईसी)" में एक सक्रिय भागीदार के रूप में, यूनियन बैंक ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके बैंकिंग सेवाओं को बढ़ाने के लिए 18 अन्य बैंकों के साथ सहयोग करता है. यह पहल बैंकिंग परिचालन को उल्लेखनीय रूप से डिजिटल बनाती है, भौतिक बुनियादी ढांचे और सामग्रियों की आवश्यकता को कम करती है, इस प्रकार पारदर्शिता और दक्षता में योगदान देती है और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती है.

एआई/ एमएल एवं एनालिटिक्स

बैंक का एनालिटिक्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व्यापक बिजनेस मॉडलिंग, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक संपर्क में सुधार के साथ-साथ संसाधन दक्षता बढ़ाने के लिए एआई और एमएल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है. खुदरा, कृषि और एमएसएमई क्षेत्रों में अर्ली वार्निंग सिग्नल (ईडब्ल्यूएस) जैसी एआई-संचालित प्रणालियों का परिनियोजन वित्तीय विश्लेषण को आगे बढ़ाती है और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार ऋण प्रथाओं का समर्थन करती है.

रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन (आरपीए)

अग्रणी फिनटेक फर्मों के साथ साझेदारी में, बैंक दैनिक रिपोर्ट निर्माण, एटीएम समाधान और भुगतान निपटान जैसी प्रक्रियाओं को स्वचालित करने के लिए अपनी आरपीए क्षमताओं का विस्तार कर रहा है. इससे ऊर्जा-खपत वाले भौतिक परिचालन की आवश्यकता कम हो जाती है, इस प्रकार दक्षता बढ़ती है और बैंक के कार्बन फुटप्रिंट में कमी आती है.

उन्नत पर्यावरण सेवाओं के लिए फिनटेक समावेश

बैंक की सक्रिय फिनटेक नीति संवहनीय वित्तीय सेवाओं का समर्थन करने वाली नवाचार कंपनियों के पैनल को गति प्रदान करती है. वित्तीय वर्ष 2024 में, डिजिटल यात्रा विकास, संपदा प्रबंधन और कृषि ऋण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 24 नए फिनटेक जोड़े गए, जो सभी पर्यावरणीय प्रभाव को कम करके और हरित वित्त का समर्थन करके बैंक के संवहनीयता लक्ष्यों में योगदान करते हैं.

प्राकृतिक पूंजी के लिए कार्यनीतिक पहल और डिजिटल परिवर्तन

क्लाउड अपनाने, वैयक्तिकृत वीडियो बैंकिंग समाधान और उन्नत सीआरएम सिस्टम जैसी पहलों के साथ, वित्त वर्ष 2024 में डिजिटल प्रौद्योगिकी पर यूनियन बैंक का कार्यनीतिक फोकस अधिक स्पष्ट है. ये प्रयास ग्राहकों के लिए बेहतर डिजिटल अनुभव सुनिश्चित करते हैं और बैंक के पारिस्थितिक फुटप्रिंट को कम करते हैं, जिससे डिजिटल बैंकिंग नवाचार और पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी के रूप में इसकी भूमिका मजबूत होती है.

"

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया आईटी आर्किटेक्चर एवं फिनटेक समाधानों को एकीकृत करके, परिचालन दक्षता को बढ़ाकर तथा पर्यावरणीय संवहनीयता को प्रोत्साहित करके प्राकृतिक पूंजी को आगे बढ़ा रहा है.

आईएसएस एसबी1 और एसबी2
स्थिरता प्रकटीकरण

यह परिशिष्ट आईएफआरएस एस1 और एस2 मानकों के अनुसार, आईएसएस एसबी1 और एसबी2 संवहनीयता प्रकटीकरण आवश्यकताओं के साथ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के अनुपालन का एक विस्तृत विवरण प्रदान करता है. यह बैंक की अभिशासन संरचना, कार्यनीतिक पहल, जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं और पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन (ईएसजी) कारकों से संबंधित कार्यनिष्पादन मेट्रिक्स की रूपरेखा तैयार करता है, यूबीआई के प्रयासों में बोर्ड और समर्पित समितियों द्वारा मजबूत अन्वेक्षा, जलवायु जोखिम की पहचान और प्रबंधन के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण, संबंधित जोखिम और स्थायी वित्त और परिचालन दक्षता को चलाने के लिए स्पष्ट, मापने योग्य लक्ष्य स्थापित करना शामिल है. ये प्रकटीकरण अपने स्थिरता एजेंडे को आगे बढ़ाने में पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति यूबीआई की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं. इस समग्र प्रतिबद्धता को इस अध्याय के "पर्यावरणीय प्रतिबद्धता" और "संवहनीय भविष्य में परिवर्तन" खंडों में संक्षेपित किया जा सकता है.

अभिशासन

1. बोर्ड अन्वेक्षा

- **संरचना और जिम्मेदारियाँ:** यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) के बोर्ड ने जलवायु संबंधी जोखिमों और अवसरों की निगरानी और प्रबंधन के लिए मजबूत अभिशासन संरचनाएँ स्थापित की हैं. हितधारक संबंध समिति (एसआरसी) सभी गैर-जोखिम ईएसजी-संबंधित मामलों का समाधान करती है और सीधे बोर्ड को रिपोर्ट करती है. जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी), बोर्ड की एक उप-समिति है जो, सभी ईएसजी और जलवायु जोखिम से संबंधित मामलों की देखरेख करती है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु कार्यनीति और अभिशासन" अनुभाग देखें)

2. प्रबंधन की भूमिका

- **ईएसजी संचालन समिति:** यूबीआई ने बैंक में ईएसजी परिवर्तन को चलाने के लिए कार्यकारी निदेशकों (ईडी) और कारोबार एवं नियंत्रण वर्टिकलों के प्रमुखों से बनी एक ईएसजी संचालन समिति (ईएसजीएससी) का गठन किया है. ईएसजीएससी, ईएसजी परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए त्रैमासिक बैठक करता है और अनुमोदन के लिए संबंधित समितियों को सिफारिशें प्रस्तुत करता है. आरएमसी और बोर्ड नियमित रूप से प्रगति को अद्यतन करते हैं. ईएसजीएससी की संदर्भ शर्तों में ईएसजी पहल पर वर्टिकलों का मार्गदर्शन करना, ईएसजी परिवर्तन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, कार्बन शून्य बैंक बनने के लिए बैंक की परिवर्तन योजना को क्रियान्वित करना, कारोबारी माहौल पर ईएसजी प्रभावों की पहचान करना और निगरानी करना और बैंक के भीतर ईएसजी क्षमता का निर्माण करना शामिल है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु कार्यनीति और अभिशासन" अनुभाग देखें.)

- **उप-समितियाँ:** स्वयं के परिचालन में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन पर एक उप-समिति में बैंक के परिसर, आईटी और परिचालन का प्रबंधन करने वाले वर्टिकलों के प्रतिनिधि शामिल हैं. स्थायी वित्त पर एक अन्य उप-समिति में इस क्षेत्र में बैंक के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए सभी क्रेडिट वर्टिकलों के सदस्य शामिल हैं. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु कार्यनीति और अभिशासन" अनुभाग देखें.)

3. नीतियां और ढांचा

- यूबीआई ने बोर्ड द्वारा अनुमोदित ईएसजी जोखिम ढांचा और जलवायु जोखिम नीति तैयार की है. जोखिम और अवसर-संबंधी गतिविधियों का समाधान करने के लिए जोखिम प्रबंधन विभाग के तहत एक ईएसजी जोखिम सेल की स्थापना की गई है. जैसा कि सेबी द्वारा अधिसूचित किया गया है, यूबीआई बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) ढांचे के अनुसार अपने ईएसजी कार्यनिष्पादन का भी प्रकटीकरण करता है. (यह इस अध्याय के "पर्यावरण प्रतिबद्धता" अनुभाग में देखा जा सकता है.)

कार्यनीति

1. जलवायु संबंधी जोखिम और अवसर

- **पहचान और प्रबंधन:** यूबीआई का मानना है कि जलवायु संबंधी मुद्दे उसके कारोबारी संभावनाओं, कार्यनीति और वित्तीय कार्यनिष्पादन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं. बैंक अल्पावधि, मध्यम अवधि और दीर्घावधि में जलवायु जोखिमों और अवसरों की पहचान करता है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग देखें)

2. कारोबार, कार्यनीति और वित्तीय योजना पर प्रभाव

- यूबीआई को उम्मीद है कि नीतियों, विनियमों, बाजार की भावना और जलवायु परिवर्तन के भौतिक जोखिमों में बदलाव से संबंधित परिवर्तन जोखिम उसके ऋण पोर्टफोलियो, ऋण जोखिम प्रोफ़ाइल और समग्र कारोबार कार्यनीति को प्रभावित करेंगे. आघात-सहनीयता के लिए, यूबीआई उच्च-उत्सर्जन क्षेत्रों के लिए जोखिम की निगरानी करता है, हरित परियोजनाओं को ऋण देता है और क्षमता निर्माण में निवेश करता है. बैंक ने परिवर्तन वित्त में विशेष रूप से कठिनाई से कम होने वाले क्षेत्रों को एक अवसर के रूप में पहचाना है और इन क्षेत्रों के लिए केंद्रित उत्पादों पर काम कर रहा है. यूबीआई का लक्ष्य कार्यनीतिक रूप से संवहनीयता वित्त में अवसरों को हासिल करना है और समर्पित हरित ऋण उत्पाद विकसित किए गए हैं. यह कारोबार के एक नए द्वार के रूप में ईएसजी सलाहकार सेवाओं का भी पता लगा रहा है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग देखें)

3. कार्यनीति की आघात-सहनीयता

- यूबीआई ने अपनी ऋण हामीदारी अंकन प्रक्रिया में भौतिक और परिवर्तन जोखिमों का आकलन करना शुरू कर दिया है और अपने आईसीएएपी में ईएसजी एवं जलवायु जोखिम को शामिल किया है. बैंक अपनी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं तथा कारोबार नियोजन में ईएसजी विचारों को और अधिक एकीकृत करने की योजना बना रहा है. यूबीआई अपनी कार्यनीति को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित करने के लिए जिम्मेदार बैंकिंग के सिद्धांतों जैसी प्रमुख पहलों के लिए साइन-अप करने का इरादा रखता है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग देखें)

जोखिम प्रबंधन

1. जलवायु संबंधी जोखिमों की पहचान और आकलन की प्रक्रियाएँ

- **ईएसजी जोखिम प्रबंधन ढांचा:** यूबीआई ने जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों की पहचान, आकलन, निगरानी एवं प्रबंधन के लिए ईएसजी जोखिम प्रबंधन ढांचा तैयार किया है. यह ढांचा जोखिम माप, आंतरिक नियंत्रण, जोखिम रिपोर्टिंग तथा निगरानी, मेट्रिक तथा लक्ष्य, एवं प्रकटीकरण को कवर करने वाले पांच-आयामी दृष्टिकोण को अपनाता है. बैंक अपने पोर्टफोलियो और परिचालन में भौतिक तथा परिवर्तन दोनों जोखिमों के प्रभाव का आकलन करता है. सेक्टर-स्तरीय हीटमैप उद्योगों को उनके जलवायु जोखिम के आधार पर रैंक करते हैं, और संपार्श्विक की भौगोलिक अवस्थिति को जिला-स्तरीय भौतिक जोखिम भेद्यता सूचकांक में मैप किया जाता है. प्रतिपक्ष स्तर पर, यूबीआई ने ऋण मूल्यांकन प्रक्रिया में ईएसजी और जलवायु जोखिम आकलन को शामिल करना शुरू कर दिया है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय के "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग देखें)

2. जलवायु संबंधी जोखिमों के प्रबंधन की प्रक्रियाएँ

- **जलवायु जोखिम प्रबंधन समाधान:** यूबीआई ईएसजी स्कोरिंग, वित्तपोषित उत्सर्जन को मापने, भौतिक एवं परिवर्तन जोखिमों का आकलन करने तथा ग्राहक और पोर्टफोलियो स्तरों पर डीकार्बोनाइजेशन मार्ग विकसित करने में सहायता के लिए एक जलवायु जोखिम प्रबंधन समाधान कार्यान्वित कर रहा है. समग्र ऋण जोखिम प्रोफ़ाइल पर जलवायु जोखिम के प्रभाव का आकलन करने के लिए पोर्टफोलियो-स्तरीय विश्लेषण किया जाता है. यूबीआई ने वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु पूरे ऋण पोर्टफोलियो के लिए अपने वित्तपोषित उत्सर्जन की गणना की है, जो क्षेत्रवार योगदानों के बारे में जानकारी प्रदान करता है. जलवायु जोखिम मूल्यांकन के हिस्से के रूप में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के जोखिमों की निगरानी की जाती है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग देखें)

3. समग्र जोखिम प्रबंधन में एकीकरण

- जलवायु जोखिम को यूबीआई की आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएएपी) में एकीकृत किया गया है. बैंक ने गतिशील तुलन पत्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए ग्राहक स्तर पर जलवायु दबाव परीक्षण के लिए क्षमताएं विकसित की हैं, जिसमें टॉप-डाउन और बॉटम-अप दबाव परीक्षण पद्धतियों का मिश्रण शामिल है. यूबीआई का लक्ष्य अपने उद्यम जोखिम प्रबंधन ढांचे में जलवायु जोखिम विचारों को उत्तरोत्तर शामिल करना है. जलवायु संबंधी व्यवधानों के प्रति यूबीआई के कारोबार मॉडल के आघात-सहनीयता का मूल्यांकन करने हेतु दवाब परीक्षण ढांचे को मजबूत किया जा रहा है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय का "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग देखें)

मेट्रिक्स और लक्ष्य

1. जोखिम और अवसर मूल्यांकन के लिए मेट्रिक्स

- **ईएसजी और जीएचजी मेट्रिक्स:** यूबीआई जलवायु जोखिमों के प्रति अपने जोखिम का आकलन करने और ईएसजी पर प्रगति की निगरानी करने के लिए कई मेट्रिक्स को ट्रैक करता है. अपने बीआरएसआर प्रकटीकरण के हिस्से के रूप में, बैंक अपने स्वयं के परिचालन से स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन की रिपोर्ट करता है, साथ ही ऊर्जा खपत, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग, जल खपत और अपशिष्ट प्रबंधन पर मेट्रिक्स भी देता है. पोर्टफोलियो स्तर पर, बैंक ने पीसीएएफ पद्धति को अपनाते हुए और प्रत्येक उधारकर्ता के जोखिम आकार के आधार पर उत्सर्जन आबंटित करते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपने वित्तपोषित उत्सर्जन की गणना की है. यूबीआई का लक्ष्य स्कोप 1, 2 और 3 श्रेणियों में वित्तपोषित उत्सर्जन का क्षेत्रवार विवरण प्रदान करके और डेटा परिपक्वता स्तर को बढ़ाकर इस गणना को बढ़ाना है. (अधिक जानकारी के लिए "ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का विवरण" और "मेट्रिक्स और लक्ष्य" अनुभाग देखें)

2. भौतिक एवं परिवर्तन जोखिम मापन

- यूबीआई जिला स्तर पर संपार्श्विक की भेद्यता का आकलन करके और अपने परिचालन पर चरम मौसम की घटनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करके भौतिक जोखिमों के प्रति अपने जोखिम को मापता है. परिवर्तन जोखिमों को क्षेत्र-स्तरीय उत्सर्जन तीव्रता विश्लेषण एवं जलवायु नीति और प्रौद्योगिकी बदलावों के लिए उधारकर्ता-स्तर की भेद्यता के आकलन के माध्यम से मापा जाता है. (यह इस अध्याय के "जलवायु जोखिम और हरित वित्त" अनुभाग में पाया जा सकता है.)

3. लक्ष्य

- **संवहनीय वित्त और कार्बन शून्यता:** यूबीआई ने एक संवहनीय वित्त नीति तैयार की है और क्रिसिल से द्वितीय पक्ष की राय प्राप्त की है, जो इस क्षेत्र में इसके लक्ष्य निर्धारण तथा उत्पाद विकास प्रयासों का मार्गदर्शन करती है. बैंक वर्तमान में अपने संवहनीय वित्त के पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करने पर कार्य कर रहा है. यूबीआई अपने परिचालन में कार्बन शून्य बनने की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों के साथ काम कर रहा है. बैंक अपने परिसर को हरित भवनों में परिवर्तित कर रहा है, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ा रहा है और अपने स्कोप 1 और 2 जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए ऊर्जा दक्षता बढ़ा रहा है. (अधिक जानकारी के लिए इस अध्याय के "संवहनीय वित्तपोषण" और "पर्यावरणीय प्रतिबद्धता" अनुभाग को देखें.)